M.A. IInd Semester

Paper II (पेपर –II)

Modern Western Philosophy

आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

Unit-I (इकाई –I)

Rationalism

Descartes: Conception of method and the need for method in philosophy, clarity and distinctness as the criterion of truth, doubt and methodological scepticism, the *cogito*-intuition or inference? innate ideas, the 'real' distinction between mind and matter, role of God, proofs for the existence of God, mind-body interactionalism

बुद्धिवाद

देकार्त : दार्शनिक पद्धति की अवधारणा और दर्शन के लिए पद्धति की आवश्यकता, सत्य की कसौटी के रूप में स्पष्टता और सुनिश्चितता, संशय एवं विधिक संशयवाद, 'कोजिटो' – अंतः प्रज्ञा या अनुमान? जन्मजात प्रत्यय, 'सत्' मन और जड़द्रव्य में भेद, ईश्वर की भूमिका, ईश्वर के अस्तित्व के लिए युक्तियाँ, देह–मन अन्तर्क्रियावाद

Unit-II (इकाई –II)

Spinoza: Substance, Attribute and Mode, the concept of 'God or Nature', the mind-body problem, pantheism, three orders of knowing

स्पिनोजा : द्रव्य, गुण व प्रकार, 'ईश्वर या निसर्ग' (प्रकृति) की अवधारणा, देह–मन समस्या, सर्वेश्वरवाद, ज्ञान प्रक्रिया के तीन स्तर

Leibniz: Monadology, truths of reason and truths of fact, innateness of all ideas, proofs for the existence of God, principles of non-contradiction, sufficient reason and identity of indiscernibles, the doctrine of pre-established harmony, problem of freedom and philosophy

लाइबनीज : मोनेडोलॉजी (चिद्बिन्दुवाद), बुद्धि तथा तथ्य विषयक सत्य, सभी प्रत्ययों का जन्मजात रूप, ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण, अव्याघात, पर्याप्त कारण तथा अभिन्न में तादात्म्य का सिद्धान्त, पूर्व स्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त, स्वातन्त्र्य तथा दर्शन की समस्या

Unit-III (इकाई –III)

Empiricism

Locke: Ideas and their classification, refutation of innate ideas, theory of knowledge, three grades of knowledge, theory of substance, distinction between primary and secondary qualities

अनुभववाद

लॉक : प्रत्यय तथा उनका वर्गीकरण, जन्मजात प्रत्ययों की आलोचना, ज्ञानमीमांसा, ज्ञान के तीन स्तर, द्रव्य विषयक सिद्धान्त, प्राथमिक तथा गौण गुणों में भेद

Berkeley: Refutation of the distinction between primary and secondary qualities, immaterialism, critique of abstract ideas, *esse est pericipi*, the problem of solipsism; God and self

बर्कले : प्राथमिक तथा गौण गुणों के भेद का खण्डन, अभौतिकवाद, अमूर्त प्रत्ययों की आलोचना, दृष्टि–सृष्टिवाद, अहंमात्रवाद की समस्या, ईश्वर और आत्मा

Unit-IV (इकाई –IV)

Hume: Impressions and ideas, knowledge concerning relations of ideas and knowledge concerning matters of fact, induction and causality, the external world and the self, personal identity, refutation of metaphysics, scepticism, reason and the passions

ह्यूम : प्रत्यय एवं संस्कार, प्रत्यय–विषयक सम्बन्ध तथा वस्तुस्थिति विषयक सम्बन्ध का ज्ञान, आगमन तथा कारणता, बाह्य जगत एवं आत्मा, वैयक्तिक तादात्म्य, तत्वमीमांसा का खण्डन, संशयवाद, बुद्धि एवं भावना

Kant: The critical philosophy, classification of judgements, possibility of synthetic *a priori* judgements, the Copernican revolution, forms of sensibility, categories of understanding, the metaphysical and the transcendental deduction of the categories, phenomenon and noumenon, the ideas of Reason, soul, God and world as a whole, freedom and immortality, refutation of speculative metaphysics

कान्ट : समीक्षादर्शन, निर्णयों का वर्गीकरण, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय की सम्भावना, कोपर्निकीय क्रांति, इन्द्रिय अनुभव के रूप, बुद्धि की श्रेणियाँ, प्रवर्ग का तत्वमीमांसीय अतीन्द्रिय निगमन, प्रपंच एवं परासत्, बुद्धि के प्रत्यय–आत्मा, ईश्वर तथा जगत का सम्पूर्ण, स्वातन्त्र्य एवं अमरता, संकल्पनात्मक तत्त्वमीमांसा का खण्डन

Unit-V (इकाई –V)

Hegel: The conception of *Geist* (spirit), the dialectical method, concepts of being, non-being and becoming, absolute idealism

हेगेल : आत्मा (चित्त) की अवधारणा, द्वन्द्वात्मक प्रणाली, सत्ता, असत्ता तथा संघटना की अवधारणाएं, निरपेक्ष प्रत्ययवाद

Karl Marx: Reality, Knowledge and Dialectical method

कार्ल मार्क्स : सत, ज्ञान और द्वन्द्वात्मक पद्धति

Recommended Books

1. फ्रेंक थिली : पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
2. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृत्तियां
3. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
4. दयाकृष्ण (संपा.) : पाश्चात्य दर्शन का इतिहास (भाग–1 और भाग–2)
5. याकूब मसीह : पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या
6. W.T. Stace : A Critical History of Greek Philosophy
7. Frank Thilly : A History of Philosophy
8. Karl Marx : Holy Family, Capital, German Ideology